



EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE, POCKET 6 & 7, SECTOR 'C', LOCAL SHOPPING CENTRE, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070

Tel: 91-11-26135256 / 57 / 58

Email: ro.epch@epch.com

Fax: 91-11-26135518,26135519

web: www.epch.in

PRESS RELEASE

**SHRI GAJENDRA SINGH SHEKHAWAT, HON'BLE UNION MINISTER OF JAL SHAKTI
VISITED THE 48TH EDITION OF IHGF-DELHI AUTUMN 2019**

**TRADITIONAL CRAFTS OF INDIA'S LAST VILLAGE "MANA" ON CHINESE BORDER
REINVENTED**

Greater Noida - Shri Gajendra Singh Shekhawat, Hon'ble Union Minister of Jal Shakti today visited the 48th edition of IHGF-Delhi fair Autumn 2019.

During his visit to the fair, a Curtain Raiser on products of Mana village was held through a fashion show wherein models worn the products produced by the artisans of Mana Village.

Mana village is a village in chamoli district of Uttrakhand located at an altitude of 3,200 mtrs. In fact, Mana is the last village before the Mana Pass and is 24 KM from boarder of India to China. The residents are the last generation of Bhortia community said shri Rakesh Kumar, Director General – EPCH.

Shri Kumar further elaborated that the artisans of Mana Village are producing products made out of raw wool like Pankhi Shawl, Khes, woolen etc. The material is sustainable, resilient, eco friendly and is a natural animal derivative i.e. sheared once a year.

With EPCH designers guidance, these raw material and crafting nuances of Mana artisans have been combined with hand crafting skills of women artisans in Barmer [Rajasthan] to bring out a range of products and also open up a world of product innovation possibilities for both sides.

10 master craftpersons were chosen from Mana Village whose normal Mana produced fabric such as Pankhi Shawl, Khes have been developed into high fashion items such as woolen coat, shawls, caps, ponchus, shrugs, purses

and space have been provided to them to showcase their new developed products so that direct linkage can be provided to them by interacting with the International buying community.

Shri Kumar said that the market linkage provided through platform such like IHGF-Delhi Fair will definitely increase the demands of the duly innovative products of Mana Village in the world markets.

For more information, please contact :

Shri Rakesh Kumar, Director General – EPCH - +91-9818272171



EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE, POCKET 6 & 7, SECTOR 'C', LOCAL SHOPPING CENTRE, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070

Tel: 91-11-26135256 / 57 / 58

Email: ro.epch@epch.com

Fax: 91-11-26135518,26135519

web: www.epch.in

प्रेस विज्ञप्ति

48वें आईएचजीएफ दलिली मेला ऑटम 2019 में पहुंचे माननीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सहि शेखावत

PRODUCTS OF "MANA" LAST VILLAGE ON INDO-CHINA BORDER REINVENTED

ग्रेटर नोएडा- 48वें आईएचजीएफ दलिली मेला ऑटम 2019 के तीसरे दिन माननीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सहि शेखावत ने मेले का दौरा किया।

ईपीसीएच के महानदिशक श्री राकेश कुमार ने कहा, "मेले में माननीय मंत्री महोदय के आगमन पर माणा गांव के उत्पादों पर आधारित एक फैशन शो आयोजित किया गया जिसमें मॉडलों ने माणा गांव के कारीगरों के बनाए उत्पादों को पहन कर रैंप वॉक किया।"

उन्होंने बताया, "माणा गांव उत्तराखंड के चमोली जिले में 3,200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित एक गांव है। जो वास्तव में माणा पास (दर्रे) से पहले चीन की सीमा से महज 24 किलोमीटर पहले भारत का अंतिम गांव है। यहां के बासदि भोरतिया समुदाय की आखिरी पीढ़ी हैं।"

श्री कुमार ने बताया कि माणा गांव के शिल्पकार कच्चे ऊन से बने उत्पाद बनाते हैं जैसे कि पंखी शॉल, खेस, ऊनी कपड़े इत्यादि। ये टिकाऊ, मुलायम या लचकदार, इको फ्रेंडली होते हैं। इन्हें पशुओं से प्राकृतिक तरीके से साल में एक बार प्राप्त किया जाता है।

ईपीसीएच के डिजाइनरों के मार्गदर्शन में, इन कच्चे माल और माणा के कारीगरों की बारीकियों के साथ बाड़मेर (राजस्थान) की महिला कारीगरों के हाथ की शिल्पकारी कौशल को जोड़ा गया है ताकि उत्पादों की एक रेंज तैयार हो सके और साथ ही दोनों तरफ कई नए उत्पादों की संभावनाएं भी पैदा हों।

माणा गांव से 10 मास्टर शिल्पकार चुने गए थे, जिनके सामान्य माणा कपड़ों जैसे कि पंखी शॉल, खेस को खास फैशन उत्पादों में विकसित किया गया, जैसे कि ऊनी कोट, शॉल, टोपियां, पोंचो, श्रग, पर्स. साथ ही उन्हें इस मेले में अपने नए विकसित उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए जगह दी गई ताकि अंतरराष्ट्रीय खरीद समुदाय के साथ सीधी बातचीत कर वो अपने सीधे बिजनेस संपर्क बना सकें।

श्री राकेश कुमार ने कहा कि आईएचजीएफ-दलिली मेले जैसे आयोजनों के जरिए मार्केट लकि बनने से नश्चित ही विश्व बाजार में माणा गांव के मौलिक उत्पादों की मांग में इजाफा होगा।

वसितृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
श्री राकेश कुमार, महानदिशक, ईपीसीएच- +91-9818272171





